रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी हां । रेलों ने अपनी नीति के रूप में सभी भाप रेल इंजनों के उपयोग में लाने की योजना बनाई है । 31-3-85 को भाप इंजनों की कुल संख्या 5,970 थी । रेल इंजनों की निर्धारित आयु के अनुसार अंतिम भाप रेल इंजन का बदलाव सन् 2013 ईस्वी तक होगा तथापि, प्रयास किये जा रहे हैं कि सन् 2000 ईस्वी तक सभी भाप रेल इंजनों को हटा दिया जाये, बशर्ते कि धन उपलब्ध हो ।

(ख) लाइन पर भाप इंजनों की संख्या, जो 1963-64 में 10,810 थी, जो 31-3-85 को घटकर 5970 रह गयी थी । चालू वित्त वर्ष 1985-86 के दौरान लगभग 250 और भाप रेल इंजनों को हटा दिये जाने की आशा है ।

(ग) वर्ष 1983-84 के दौरान भाप, डीजल और बिजली कर्षण के लिए क्रमशः प्रति 1000 सकल टन किलोमीटर परिचालन और अनुरक्षण की लागत निम्नलिखित थी :—

(लागत रुपयों में)

	बड़ी लाइन	मीटर लाइन
भाप	126.54	111.29
डीजल	18.75	27.59
बिजली	13.84	17.13

छोटे तथा बड़े पत्तनों का विकास

339. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान बड़े, छोटे तथा मध्यम पत्तनों के विकास हेतु कुल कितना धन व्यय किया गया तथा प्रत्येक प्रकार के पत्तन पर किए गए व्यय का अनुपात क्या है ;

(ख) बड़े तथा छोटे पत्तनों पर कुल कितने सामान की ढुलाई की गई तथा छोटे पत्तनों द्वारा कितना राजस्व कमाया गया ;

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान छोटे पत्तनों के लिए कितना धन आवंटित किया गया है तथा गुजरात सरकार ने इस संबंध में जो मांगें पेश की हैं उनका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है; और

(घ) क्या हजीरा-मांडवी जैसे छोटे पत्तनों तथा अन्य पत्तनों के विकास के लिए अधिक धन आवंटित किये जाने की संभावना है, यदि हां, तो कब तक तथा उसकी मात्रा कितनी है ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जहां तक महापत्तनों का संबंध है, छठी योजना अवधि के दौरान विकास योजनाओं पर खर्च की गई कुल राशि निम्नलिखित सारणी में दर्शाई गई है :—

(करोड़ रुपए)

	पत्तन	राशि
1.	(क) कलकत्ता	19.88
	(ख) हल्दिया डॉक	13.18
	(ग) हल्दिया चेनल ड्रेजिंग	10.92
	(घ) भगीरथी हुगली रिवर ड्रेजिंग कार्य	13.44
2.	बम्बई	72.45
3.	मद्रास	82 13
4.	कोचीन	56.01
5	विशाखापत्तनम	57.35
6.	कांडला	49.08
7.	मुरगांव	25.19
8.	पारादीप	67.37
9.	टूटीकोरिन	34.84
10.	न्यू मंगलूर	33.48
	कुल	525.32

जहां तक लघु पत्तनों/मंझोले पत्तनों का संबंध है, उनकी जिम्मेदारी संबंधित समुद्रवर्ती राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों की है । उनके विकास के लिए निधियों की व्यवस्था संबंधित राज्य की योजनाओं में की जाती है । लघु/मंझोले पत्तनों के विकास पर खर्च की गई राशि से संबंधित सूचना एकत्र की जा रही है ।

(ख) छठी योजना अवधि के दौरान महापत्तनों द्वारा हैंडल किया गया कार्गो निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :—

(मिलियन टन)

1.	कलकत्ता/हल्दिया .	50.54
2.	बम्बई . .	112.73
3.	मद्रास . .	62.13
4.	कोचीन . .	25.69
5.	विशाखापत्तनम .	56.48
6.	कांडला . .	60.91
8.	मुरगांव . .	69.13
8.	पारादीप .	10.00
9.	टूटीकोरिन .	15.88
10.	न्यू मंगलूर .	11.10
	कुल .	474.59

लघु/मंझोले पत्तनों द्वारा हैंडल किए गए कार्गो और अर्जित राजस्व से संबंधित सूचना एकत्र की जा रही है ।

(ग) और (घ) सूचना एकत्र की जा रही है ।

रेल परियोजनाएं

340. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन रेल परियोजनाओं के नाम क्या हैं जिन्हें दस वर्ष पूर्व आरम्भ किया गया था तथा अभी तक पूरा नहीं किया गया है ;

(ख) इन में से प्रत्येक परियोजना की आरंभिक अनुमानित लागत क्या थी तथा प्रतिशतता की दृष्टि से अब तक उनके मूल्यों में कितनी वृद्धि हो गई है ;

(ग) इन परियोजनाओं में से प्रत्येक परियोजना पर कितना धन व्यय किया गया है तथा खर्च किये गये धन की तुलना में किये गये कार्य की प्रतिशतता क्या है ;

(घ) क्या इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिये कोई समय सीमा निर्धारित की गई है ; और

(ङ) क्या कम लागत वाली परियोजनाओं से संबंधित कार्य को पूरा करने के लिये प्राथमिकता देने की कोई योजना है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) से (ग) एक विवरण संलग्न है । [देखिए परिशिष्ट CXXXVII, अनुपत्र संख्या 9]

(घ) विवरण के टिप्पणी के कालम में जिन परियोजनाओं के सम्बन्ध में लक्ष्य तिथि नहीं दी गयी है उनको पूरा होना आगामी वर्षों में संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

(ङ) उन निर्माण कार्यों को जो राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए अथवा सामरिक दृष्टि से आवश्यक हैं तथा उन कार्यों को जो प्रगति के अग्रिम चरण में हों, प्राथमिकता दी जाती है ।

अहमदाबाद हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदला जाना

341. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **परिवहन** मंत्री 20 नवम्बर, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 500 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अहमदाबाद हवाई अड्डे को एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदलने के संबंध में कोई निर्णय ले लिया है ;

(ख) यदि हां, तो कब तक ;